

peacock) शिखिवाहनः, वर्षिष्वाहनः. His wife is called सेना.

KASKAS, s. (Grass) मूरालं, अमूरालं.

To KAW, v. n. के (c. 1. कायति, कातु), द्राव् (c. 1. द्राव्यति-सिद्धुं) or भावं ऋ भावूः or भावूः (c. 1. भावाति-सिद्धुं), काकवद् कु (c. 2. रीति, रीति).

KAW, s. काकहर्त, काकरावः, काकरवः, काकशादः, व्याक्षहर्त, का शादः. To KECK, v. n. चक्ष (c. 1. चक्षति-सिद्धुं), उड्सम, उड्समन् कृ, जईयोधने कृ.

KEEL, s. नौकातालं, नौकातालं दोषेकाई, नौकापेशगे दोषेकाई; m.

KEEN, a. (Sharp, having a fine edge) तीखः-स्था-हस्त, तीखण्ड-

भास-रा-रै, चितः-ता-रै, निशां-ता-रै, चितपास-रा-रै, पारपासः-रा-रै, तोल्पापारपासः-रा-रै, खरः-रा-रै, तीखः-द्वा-द्वे, निशां-ता-रै, शातः-ता-रै, निशां-ता-रै, तेकोवान-वारी-चत् (२), तोल्पापासः-या-र्य, प्रलः-रा-रै.—(As hunger, cold, &c.) तोल्पापासः-स्था-हस्त, तीखः-द्वा-द्वे.—(Eager, vehement) तीखण्कम्भं-स्मी-भे (२), तोल्पापासः-या-र्य, प्रलः-रा-रै.—(Acrimony) तोल्पापासः-स्था-हस्त, तीखण्कम्भं-स्मी-भे (२), उच्चः-वदा-वद, उत्तराही-स्मी, चारभिलापी &c., उत्तुः-वा-के.—(In mind) चुक्षुपुदिः-द्वि-द्वि, तोल्पापुदिः &c., चुक्षुपुदिः-द्वि-द्वि, चितपासः-या-र्य-र्य.—(Acrimony) तोल्पापासः-स्था-हस्त, तीखः-द्वा-द्वे, दंशी-शिनी-शि (२), दंशकः-का-के; 'keen words,' वागविः f., वागिषु m.f.

KEENLY, adv. तीखः, तीखै, तीखेन, तीखय, तीखेन, तीखय, कुटु, तर्ह, तीखातया, उत्तराया, निरुत्, रस्त, प्रासादं, तेसा.

KEENNESS, s. (Sharpness of edge) तीखाता, तीखाता, तीखातायाम्, तिमता.—(Eagerness, vehemence) तीखाता, स्वभावतीखाता, अप्रता, कौशलं, उच्छता, चारभिलापः, उत्तराहीः, चतुरायाः.—(Of mind) चुक्षुपुदिः-सीहस्यं, चुक्षुपुदिः-तीखः, कुक्षुपुदिः-तीखः, चितपासः-या-र्य-र्य.—(Acrimony) तिमता, तीखय, कुटु, उत्तराया, उत्तराया, उत्तरायां, प्रासादं, निरुत्, दंशै.

To KEEP, v. a. (Hold) कृ (c. 1. धरति, धुः, c. 10. धारयति-यिदुं), स्वन् या (c. 3. धर्ते, धातु), रथ् (c. 1. रथति-सिद्धुं), संरक्ष, पाल् (c. 10. पालयति-यिदुं), गुप् (c. 1. गोपयति, गोपुः), रथयू कृ, रथ्यू कृ, पालैने कृ.—(Preserve, guard) रथ, प्रतरथ, पाल् or पा (c. 2. पालति-तुं), परिपाल, अनुपाल, प्रतिपाल, सम्पाल, जीविपाल, उपराल, गुप् (c. 1.

or c. 10. गोपयति-यिदुं), रथयू, जीवियू, ग्रुप्, वै (c. 1. चायते, चातुं), परिचै, संचै, चूप् (c. 1. चापति-सिद्धुं), गुप्ति कृ, गोपयैने कृ.—(Detain) पु, निल् (c. 7. -रुण्यति-देतु), चालूप, रुप, चर्य (c. 9. चापाति, चर्नतु), प्रतिवच्य, निलूप, वृ (c. 10. चापयति-यिदुं), निलूप, निलूप (c. 1. -पेतते-येतु), प्रतिपिप्.—(Tend, feed) पाल्, रथ; 'keep cattle,' गोपालने कृ, गोपयैने कृ, पायुपाल्य कृ.—(Practise, perform, observe) चाचर् (c. 1. -चरति-तिदु), अप्पाचर्, सेव् (c. 1. सेवते-यिदुं), चाल्या (c. 1. -पालति-स्थापत्य), चलुता, सलाया, सलापाया, चिता (c. 3. -धारयति-यातु), भ्रम् (c. 1. भ्रमते, भ्रम्तु), चालूप (c. 1. लुपते-सिद्धुं), समालूप, चालूलूप, 'keep silence,' नीने भ्रम् or सेव् or चलुते-यिदुं.—(Pulfil) साप् (c. 10. चापयति-यिदुं); 'keep a promise,' प्रतिज्ञा भूष् (c. 10. जीवयति-यिदुं), प्रतिज्ञा पाल्.—(Not to divulge) पु (c. 10. चापयति), न प्रकाश (c. 10. काप्यति-यिदुं); 'to keep a secret,' रहस्यं पु or रथ or गुप्, रहस्योपाने कृ.—(Maintain, board) भृ (c. 1. भ्रमति, c. 3. चित्पर्ति, भ्रम्तु), सम्पूर्णयैने कृ, भूति कृ or दा, पाल्, पुप् (c. 10. चापयति-यिदुं), पोषयै-

कृ, पालने कृ.—(Entertain) साकृ—(Have in pay) वेतनं दा.

(Keep back) निपृष्ठ (c. 9. -गुह्यति-याहृतु), विनियाह, सवियाह, संह (c. 1. -हरति-हस्तु), उपसंहृ, चिपु, निपृ, उचिद (c. 7. -लिङ्गति-चेत्तु), चामेहरणे कृ.—(Keep company with) सह चर, सह वस् (c. 1. वसति, वस्तु), संवस्.—(Keep in, conceal) सह यू (c. 1. मृहति-हितु), नियुह, छद् (c. 10. चादयति-पितु), चतपै, चपै, संवृ, गोपने कृ.—(Keep off) प्रतिपृ, नियु, वृ, प्रतिहिन् (c. 2. -पिति-न्त), प्रतिकृ, निहृ, घ्योह (c. 1. जहति-हितु), चापासप, प्रतिपिप्.—(Keep under) वस्त्रीकृ, स्वापीनोकृ, नियह, प्रावाह.—(Keep up, maintain) पृ, संचृ, भृ, सम्पृ, भ्रवृ (c. 10. -वीर्यति-पितु), संस्था in caus. -स्थापयति-पितु), पाल्, प्रतिनैने कृ.—(Keep out) निपृष्ठ, निचृ.

To KEEP, v. n. (Remain, continue) स्था (c. 1. चित्पर्ति-ते, स्थातु), वृत् (c. 1. चेत्ते-सिद्धुं); 'to keep on doing any thing,' may be expressed by साम् (c. 2. आसे) with the pres. or indec. part. of another verb; as, 'he keeps following me,' सम्पाद चापञ्जलू आसे. See CONTINUE, v. n. (Last, endure) स्था, चित्पर्याप्ति-पितो-वि पृ.—(Persevere) पर्वेयसा, निवेद्यं च, चापाहै कृ.—(Adhere, cohere) संस्थृ in pass. (-सम्पर्ये-सम्पादते), संस्थृप in pass. (-स्थितो), चतुर्वच्यृ in pass. (-चप्यते), संलग्नानीभृ, चतुर्लग्नानीभृ.—(Lodge) चर् (c. 1. वसति, वस्तु), नियस्.—(Keep from) नियृ (c. 1. चेत्ते-सिद्धुं), परिहृ (c. 1. -हरति-हस्तु), वृत् (c. 10. चापयति-पितु), पार्षदृ, विवृत्.—(Keep on) प्रवृत्, ग्रावन्ति सम्पद् (c. 10. -पादयति-पितु).

KEEP, s. (Custody, charge) रथा-स्थं, पालने, गुप्ति f., गोपने.—(Condition) चापस्या, स्थिति f., भाव, वृक्षि f.; 'in good keep,' मुख्यातः-ता-रै.—(Board, maintenance) भूति f., सामाज्यादानं, चबरालं, भोजनं.—(Stronghold) दुर्गं.—(Dungeon) कारा, कारागार, निरोधस्थानं, चतुर्वारां, गुप्ति f.

KEEPER, s. (Custodian, keeper) रथी म. (न.), पालकः, पालः, पालयिता m. (त्र), रीक्षाता m. (त्र), चापाता, पर्वता, पर्वता, म. य; in comp.; as, 'keeper of sheep or cattle,' प्रयुपाल, नेपयोपकः, गोपालः, गोपः, गवाइपः; 'of a prison,' कापारपालः, कापामारपालः, चिदपालः; 'of mad people,' उम्माहपालः; 'of a park,' उद्यानपालः-लक्षः, उद्यानराजकः; 'of a gaming-house,' समापति: m., सविकः, चूप्तासाधिकारी m. (त्र).

KEEPERSHIP, s. रथवक्तव्य, पालकत्वं, चापस्थानं, चापिकारित्वं.

KEEPING, s. (Custody, guard) रथा-स्थं, गुप्ति f., पालने, गोपने.—(Congruity, harmony) ऐक्य, सङ्करता, सांस्कृत्य, सांदृश्यं, चर्पि-रोधः, योग्यता, सांख्यात्म्यं.

KEEPERS, s. स्मरणाक्षदानं, स्मरणार्थं इत्यै द्रुष्ट्य or चतुर्वच्यृ, स्मरणार्थं गृहीत्यै द्रुष्ट्यृ, स्मरितनकदानं, स्मरितादानं, प्रीतिदानं, प्रीतिदायं.

KEG, s. चुद्रभासांड, काष्ठभासं, दीर्घोलोकारं चुद्रभासनं.

To KEN, v. a. (Desert) दूराद् चालोक् (c. 1. -लोकति-यिदुं) or चवलोक् or दृश् ॒ ॑ ॒ ॑ प्रयत्नति, द्रुष्ट् or चालात् (c. 9. चानाति, चातुं).

Ken, s. (Reach of sight) चक्षुप्रिययः, नयप्रिययः.—(Reach of understanding) बुद्धिप्रिययः; 'beyond the ken,' चापिययः-या-रै, चुपाति: ता-रै.

KENNEL, s. (House for dogs) चालाला, कुकुरालयः, चर्यहै, कुकुरामारं.—(Pack of hounds) चालाला, मृगव्यक्तुप्रयालयः.—(Water-course) चालाली, चल्लामारी, चल्लराही.